रजिस्टर्ड नं० ल०-33/एस०एम० 11.

राजपत्र, हिमाचल प्रदेश

(असाधारण)

हिमाचल प्रदेश राज्यशासन द्वारा प्रकाशित

शिमला, सोमवार, 24 अप्रैल, 1989/4 वैशाख, 1911

हिमाचल प्रदेश सरकार

सहकारिता विभाग

अधिसूचना।

शिमला-2, 14 मार्च, 1989

संख्या 5-4/69 सह०(एस०) जिल्द-2.—हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल, तारीख 13 फरवरी, 1989 के राजपत्र, हिमाचल प्रदेश में प्रकाशित इस विभाग की समसंख्यांक अधिसूचना तारीख 27-1-1989, का आंशिक उपांतरण करते हुए, और हिमाचल प्रदेश सोसाईटी रजिस्ट्रीकरण (संशोधन) ऐक्ट, 1979 (1973 का 23) यथासंशोधित सोसाईटी रजिस्ट्रेशन ऐक्ट, 1860 (1860 का 21) द्वारा हिमाचल प्रदेश राज्य को लागू, की धारा

350-राजपत्र/89-24-4-89—1,262.

मूल्य : 20 पैसे।

1 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, कथित अधिनियम की धारा 20 के अधीन, लाभकारी ज्ञान या राजनैतिक शिक्षा के प्रसार के लिए स्थापित महिला मण्डल के रजिस्ट्रीकरण के प्रयोजन के लिए समस्त उप-मण्डल अधिकारियों (सिविल) को उन्हें अपनी-अपनी क्षेत्रीय अधिकारिता में आने वाले क्षेत्रों के लिए रजिस्ट्रार के रूप में नियुक्त करते हैं।

[*Authoritative English text of this Department notification No. 5-4/69-Co op(s)-II, dated 14-3-1989 is hereby published in the Rajpatra, Himachal Pradesh, as required under clause (3) of Article 348 of the Constitution of India*].

Shimla-2, the 14th March, 1989

No. 5-4/69(s)-II.—In partial modification of this Government Notification of even number, dated 27-1-1989, published in the Rajpatra, Himachal Pradesh, dated 13-2-1989 and in exercise of the powers conferred by section 1 of the Societies Registration Act, 1860 (Central Act No. 21 of 1860) as amended in its application to the State of Himachal Pradesh by the Societies Registration (Himachal Pradesh Amendment) Act, 1973 (Himachal Pradesh Act No. 23 of 1973), the Governor, Himachal Pradesh is pleased to appoint all the Sub-Divisional Officers (Civil) as Registrars for the purpose of registration of Mehila Mandals set up for the diffusion of useful knowledge or political education under section 20 of the said Act for the areas falling within their respective territorial jurisdiction.

By order,
S. S. SIDHU,
Secretary.

शिक्षा विभाग

अधिसूचना

शिमला-2, 13 मार्च, 1989

संख्या शिक्षा-II-क(9) 1/81-वाल-I.—समसंख्यक अधिसूचना सं0 तारीख 25-7-85 द्वारा यथा अधिसूचित सर्वश्री पी0 डी0 पखरोलवी, शौंकिया राम कश्यप और योगेन्द्र चन्द्र को, हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड के सदस्य के रूप में पदावधि हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड ऐक्ट, 1963 की धारा 6 (2) के निबन्धनों के अनुसार समाप्त हो चुकी है।

2. और सर्वश्री पी0 डी0 पखरोलवी, रूप सिंह ठाकुर और शौंकिया राम कश्यप, हिमाचल प्रदेश विधान सभा द्वारा अपने सदस्यों में से उपर्युक्त बोर्ड के सदस्य के रूप में, 20 दिसम्बर, 1988 को निर्वाचित किये गये हैं।

3. अतः हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल, हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड ऐक्ट, 1968 की धारा 6 की उप-धारा (8) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, हिमाचल प्रदेश विधान सभा के उक्त सदस्यों के नाम जो इस अधिसूचना के राजपत्र, हिमाचल प्रदेश में प्रकाशन की तारीख से 3 वर्ष की अवधि के लिए हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड के सदस्य होंगे, अधिसूचित करते हैं।

[*Authoritative English text of this department notification No. Shiksha-II-Ka (8) 1/81-Vol. I, dated 13-3-1989 is hereby published under Article 348(3) of the Constitution of India for information of general public*].

Shimla-2, the 13th March, 1989

No. Shiksha-II-Ka(9)1/81-Vol. I.—Whereas the term of office of S/Shri P. D. Pakhrolvi, Shonkia Ram Kashyap and Yogendra Chandra as members of the Board of School Education,

Himachal Pradesh as notified *vide* notification of even number dated 25-7-1985 has since expired in terms of section 6(2) of the H.P. Board of School Education Act, 1968.

2. AND WHEREAS S/Shri P. D. Pakhrolvi, Roop Singh Thakur and Shonkia Ram Kashyap have been elected by the H.P. Legislative Assembly from amongst its members, on the 20th December, 1988 as member of the aforesaid board.

3. Now, therefore, in exercise of the powers vested in him under sub-section (8) of section 6 of the Himachal Pradesh Board of School Education Act, 1968, the Governor of Himachal Pradesh is pleased to notify the names of the aforesaid members of the Legislative Assembly, Himachal Pradesh to be the members of the Himachal Pradesh Board of School Education, for a period of 3 years, with effect from the date of publication of this Notification in the Rajpatra Himachal Pradesh.

By order,
ATTAR SINGH,
Financial Commissioner.

सामान्य प्रशासन विभाग

(ख-अनुभाग)

अधिसूचनाएं

शिमला-171002, 16 दिसम्बर, 1988

संख्या जी0 ए0 बी0 1 ए (1)-1/85.—हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल, हिमाचल प्रदेश भू-राजस्व अधिनियम, 1954 (1954 का 6) की धारा 6 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, जिला शिमला में एक नई उप-तहसील नेरवा, जिसका मुख्यालय एवम् क्षेत्रीय अधिकारिता उसके सामने नीचे दर्शित की गई है, के सृजन के तुरन्त आदेश देते हैं:—

जिले का नाम	नई सृजित उप-तहसील का नाम	मुख्यालय	अधिकारिता: उप-तहसील में सम्मिलित कानूनगो वृत्तों/पटवार वृत्तों के नाम
1	2	3	4
शिमला	नेरवा	नेरवा	(1) कानूनगो वृत्त थरोच जिसमें निम्नलिखित पटवार वृत्त होंगे :— 1. पौडिया 2. मधान 3. थरोच 4. भरानू 5. रूसलाह 6. ईडा 7. ठिकरी

1	2	3	4
			(2) कानूनगो वृत नेरवा जिसमें निम्नलिखित पटवार वृत होंगे : 8. किरण 9. नेरवा 10. बोहराड़ 11. केडी 12. अन्तरावल 13. गुमा

[*Authoritative english text of Himachal Pradesh Government notification No. GAB-1A (1)-1/85, dated 16-12-88 as required under Article 348 (3) of the Constitution of India*]

Shimla-2, the 16th December, 1988

No. GAB-1A(1)-1/85.—In exercise of the powers conferred by section 6 of the Himachal Pradesh Land Revenue Act, 1954 (Act 6 of 1954), the Governor, Himachal Pradesh is pleased to order the creation of a new Sub-Tehsil Nerwa in Shimla district with headquarters and territorial jurisdiction shown against it below, with immediate effect:—

Name of district	Name of newly created Sub-Tehsil.	Headquarter	Jurisdiction Names of Kanungo Circles/Patwar Circles included in the Sub-Tehsil
Shimla	Nerwa	Nerwa	(1) Kanungo Circle, Tharoch consisting of following Patwar Circles: 1. Pauria 2. Madhana 3. Tharoch 4. Bharanu 5. Rushala 6. Irra 7. Tikri (2) Kanungo Circle, Nerwa consisting of following Patwar Circles:— 8. Kiran 9. Nerwa 10. Bohrar 11. Kedi 12. Antrawal 13. Guma

B-SECTION

NOTIFICATION

Shimla-171002, the 6th January, 1989

No. GAB-1A (4) 13/85.—In partial modification of this department notification of even number dated the 23rd July, 1987, the Governor, Himachal Pradesh is pleased to substitute para 3(1) of the aforesaid notification as under:—

"3. COMMITTEE AT THE SUB-DIVISIONAL LEVELS

(1) The Chairman of the Committees at the Sub-Divisional levels shall be the M.Ps. representing the concerned Sub-Divisions by rotation and in their absence these shall be chaired by M.L.A.s, representing the Sub-Division by rotation and in the absence of M.L.A.s these shall be chaired by the concerned Deputy Commissioners of the District/Resident Commissioner, Pangi in case of Pangi Sub-Division/Additional Deputy Commissioner, Spiti in case of Spiti Sub-Division when Deputy Commissioner, Lahaul & Spiti cannot attend the meeting."

शिमला-2, 17 फरवरी, 1989

संख्या जी० ए० डी (जी० आई) 6 (एफ)-12/77.—हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल, हिमाचल प्रदेश लैण्ड रैवेन्यू ऐक्ट, 1954 (1954 का 6) की धारा 6 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, जिला कांगड़ा में एक नई तहसील जसवां, जिसका मुख्यालय एवम् क्षेत्रीय अधिकारिता नीचे उसके सामने दर्शित की गई है, के तत्काल सृजन के आदेश देते हैं:—

क्रम सं०	जिले का नाम	नई सृजित तहसील का नाम	मुख्यालय	अधिकारिता (पटवार वृत्तों के नाम जो तहसील में सम्मिलित किए गए)
1	कांगड़ा	जसवां	कस्बा-कोटला	1. घाटी 2. जन्दौर 3. बड़ी 4. कोटला 5. काहनपुर 6. पालोथर 7. जाखधार 8. सिवा 9. कस्बा 10. पन्जाल 11. स्वाना 12. समनोटी 13 बेह 14. डाडा 15. शामनगर 16. चनौर 17. जामाल 18. डोडरा

[*Authoritative English text of H. P. Government notification No. GAD (GI) 6 (F)-12/77 dated* 17-2-89 *as required under Article* 348 (3) *of the Constitution of India*].

Shimla-2, the 17th February, 1989

No. GAD (GI) 6 (F)-12/77.—In exercise of the powers conferred by section 6 of the Himachal Pradesh Land Revenue Act, 1954 (Act No. 6 of 1954), the Governor, Himachal Pradesh is pleased to order the creation of new Tehsil, Jaswan in Kangra district with headquarters and territorial jurisdiction shown against it below, with immediate effect:—

Sl. No	Name of the District	Name of newly created Tehsil	Headquarter	Jurisdiction — Name of Patwar Circles included in the Tehsil
1	Kangra	Jaswan	Kasba Kotla	1. Ghati 2. Jandaur 3. Bari 4. Kotla 5. Kahanpur 6. Paplothar 7. Jandhar 8. Siba 9. Kasba 10. Panjal 11. Swana 12. Samnoti 13. Beh 14. Dada 15. Shamnagar 16. Chanaur 17. Jamal 18. Dodra.

By order,
B. C. NEGI,
Chief Secretary.

भाषा एवं संस्कृति विभाग

अधिसूचना

शिमला-2, 29 दिसम्बर, 1988

संख्या भाषा (ए) 3-3/85.—राज्य सरकार की यह राय है, कि जिला कांगड़ा के श्री बद्री विशाल मन्दिर वाली अटारियां और नर सिंह मन्दिर नगरोटा सूरियां के समुचित प्रशासन और इन से सम्बन्धित सम्पत्ति के संरक्षण और परिरक्षण के लिए, पग उठाने समीचीन और आवश्यक हैं ;

अत हिमाचल प्रदेश सरकार के राज्यपाल इस विभाग की अधिसूचना संख्या भाषा (ए) 3-3/85, तारीख 28 सितम्बर, 1987 के क्रम में, और हिमाचल प्रदेश हिन्दू सार्वजनिक, धार्मिक संस्था और न्यास अधिनियम,

1984 (1984 का 18) की धारा 29 की उप-धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त अधिनियम की अनुसूची-I में विद्यमान क्रम संख्या 14 के पश्चात् निम्नलिखित क्रम संख्या 15 जोड़ते हैं, अर्थात:—

"क्रम संख्या 15. श्री बद्री विशाल मन्दिर वाया अटारियां तथा नरसिंह मन्दिर नगरोटा सूरियां"।

[*Authoritative english text of this department notification No. Bhasha (A)3-3/85, dated 29-12-1988 as required under Article 348(3) of the Constitution of India*].

Shimla-2, the 29th December 1988

No. Bhasha(A)3-3/85.—Whereas the State Government is of the opinion that it is expedient and necessary in the public interest to take steps for the better administration and for the protection and preservation of properties appertaining to *Shri Badri Vishal Mandir via Atariya and Nar Singh Mandir Nagrota Sooriyan, District Kangra.*

Now, in continuation of this Department Notification No. Bhasha(A)3-3/85, dated the 28th September, 1987 and in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 29 of the Himachal Pradesh Hindu Public Religious Institutions and Charitable Endowments Act, 1984 (Act No. 18 of 1984), the Governor, Himachal Pradesh, is pleased to add after the existing Sl. No. 14 of the Schedule-I of the aforesaid Act, the following Sl. No. 15, namely:—

Sl. No. 15.—Shri Badri Vishal Mandir *via* Atariya and Nar Singh Mandir Nagrota Soorian, District Kangra.

शिमला-2, 17 जनवरी, 1989

संख्या भाषा-ए-(3)3/85.-भाग-2.—हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल, हिमाचल प्रदेश राज्य के स्थानीय लेखा परीक्षा विभाग को हिमाचल प्रदेश हिन्दू सार्वजनिक धार्मिक संस्था एवं पूर्त विन्यास अधिनियम, 1984 (1984 का 18) की धारा 23 की उप-धारा की मद (II) के प्रयोजनों के लिए इस अधिनियम की अनुसूची में दिए गए धार्मिक संस्थाओं और पूर्त विन्यासों के लेखों की परीक्षा करने के लिए, प्राधिकृत अभिकरण के रूप में घोषित करते हैं।

[*Authoritative english text of this department notification No. Bhasha-A(3)3/85, Part II, as required under Article* 348 (3) *of the Constitution of India*].

Shimla-2, the 17th January, 1989

No. Bhasha-(A)9-(3)3/85-Part-II—The Governor of Himachal Pradesh is pleased to declare the Local Audit Department of the State of Himachal Pradesh as authorised agency for the purposes of item (ii) of sub-section of section 23 of the Himachal Pradesh Hindu Public Religious Institution and Charitable Endowments Act, 1984 to audit the accounts of the Religious Institutions and Charitable Endowments given in the Schedule of the said Act.

By order,
M. K. KAW,
Financial Commissioner-cum-Secretary.

श्रम विभाग

अधिसूचनाएं

शिमला-171002, 2 मार्च, 1989

संख्या : 2-22/85-श्रम.—हिमाचल प्रदेश पथ परिवहन निगम की सेवाएं, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की प्रथम अनुसूची में आती हैं;

हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल का समाधान हो गया है कि उक्त सेवाओं को, लोक हित में, छः मास की अवधि के लिए लोक उपयोगी सेवा के रूप में घोषित किया जाए;

अतः हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 2 के खण्ड (एन) के उप-खण्ड (6) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, हिमाचल प्रदेश पथ परिवहन को सेवाओं को, उक्त अधिनियम के प्रयोजनों के लिए, लोक हित में, छः मास की अवधि के लिए लोक उपयोगी सेवा के रूप में दिनांक 12-3-1989 से घोषित करते हैं ।

[*Authoritative english text of the Himachal Pradesh Government Notification No. 2-22/85-Shram, dated 2-3-1989 as required under Article 348(3) of the Constitution of India*].

Shimla-2, the 2nd March, 1989

No. 2-22/85-Shram. –Whereas the services of the Himachal Road Transport Corporation falls in the first schedule of the Industrial Disputes Act,1947 (Act No. XIV of 1947).

And whereas the Governor, Himachal Pradesh is satisfied that the aforesaid services be declared as public utility service in the public interest for a period of six months.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-clause (vi) clause (N) of section 2 of the Industrial Disputes Act, 1947, the Governor, Himachal Pradesh is pleased to declare the services of the Himachal Road Transport Corporation as public utility service for the purposes of the said Act, for a period of six months with effect from 12-3-1989.

शिमला-2, 2 मार्च, 1989

संख्या 23-13/88-श्रम.—हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल, हिमाचल प्रदेश शाप एण्ड कमर्शियल एस्टेबलिशमैंट ऐक्ट, 1969 (1970 का 10) की धारा 1 की उप-धारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, निर्देश देते हैं कि जिला हमीरपुर, हिमाचल प्रदेश के निम्नलिखित परिक्षेत्रों/स्थानों में अधिनियम के अन्तर्गत आने वाली सभी दुकानों तथा वाणिज्यिक स्थापनाओं को भी पूर्वोक्त अधिनियम के उपबन्ध, इस अधिसूचना को राजपत्र में प्रकाशित किए जाने की तारीख से लागू होंगे:—

1. अधिसूचित क्षेत्र समिति, भोटा ।
2. बड़सर ।
3. मेहरे ।

(*Authoritative english text of this Government Notification No. 23-13/88-Sharm, dated 2-3-89, as required under Article 348(3) of the Constitution of India*).

Shimla-2, the 2nd March 1989

No. 23-13/88-Shram.—In exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the Himachal Pradesh Shops and Commercial Establishment Act, 1969 (Act No. 10 of 1970) the Governor of Himachal Pradesh is pleased to direct that the provisions of the aforesaid Act shall also apply to all shops and commercial establishments covered by the Act to the following local areas/places of District Hamirpur, Himachal Pradesh, from the date of publication of this notification in the official Gazette:—

1. Notified Area Committee, Bhota.
2. Badsar.
3. Mehre.

शिमला-2, 2 मार्च, 1989

संख्या 4-6/87-एल0ई0पी0 जिल्द-4.—हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल, इस विभाग की समसंख्यांक अधिसूचना तारीख 25 अगस्त, 1988 का अधिक्रमण करते हुए और हिमाचल प्रदेश शाप्स एण्ड कमर्शियल एस्टेबलिशमैन्ट ऐक्ट, 1969 (1970 का 10) की धारा 27 द्वारा उनमें निहित शक्तियों का प्रयोग करते हुए हिमाचल प्रदेश राज्य में स्थित भारत की खाद्य निगम की सभी स्थापनाओं को एक वर्ष के लिए लोकहित में, इस शर्त के अधीन रहते हुए, कि कर्मचारियों को इन स्थापनाओं में सामान्य समय में अपेक्षित कार्य से अधिक समय के लिए कार्य करने पर, कथित अधिनियम की धारा-7 की उप-धारा (2) के अधीन उपबंधित घण्टे के आधार पर उनके सामान्य वेतन की दर से दुगनी दर पर पारिश्रमिक संदत्त किया जायेगा, कथित अधिनियम की धारा 7 के उपबन्धों के प्रवर्तन से तुरन्त छूट प्रदान करते हैं।

[*Authoritative english text of this department notification No. 4-6/87LEP, Vol.-IV, dated 2nd March, 1989 as required under Article 348(3) of the Constitution of India*].

Shimla-2, the 2nd March, 1989

No. 4-6/87LEP Vol-IV.—In supersession of this Department Notification of even No. dated 25th August, 1988 and in exercise of the powers vested in him under section 27 of the H.P. Shops and Commercial Establishment Act, 1969 (Act No. 10 of 1970), the Governor, Himachal Pradesh is pleased to grant exemptions of all the Establishments of the Food Corporation of India located in the State of Himachal Pradesh from the operation of the provisions of section 7 of the said Act, with immediate effect for a period of one year in the public interest subject to the condition that the employees required to work in these establishments in excess of their normal working hours, shall be paid remuneration at twice the rates of their normal wages calculated by the four as provided under section 2(*b*) of section 7 of the above said Act.

शिमला-2, 15 मार्च, 1989

संख्या 23-11/88-श्रम.—हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल, कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 (1948 का 34) की धारा 87 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, निम्नलिखित मौसमी प्रक्रम (Seasonal Process) में रत कारखानों और स्थापनाओं को हिमाचल प्रदेश में ऐसे क्षेत्र में जिनमें कथित अधिनियम लागू है, अधिनियम के उपबन्धों के प्रवर्तन से एक वर्ष के लिए तत्काल छूट प्रदान करते हैं, अर्थात:—

1. अविनिर्मित तम्बाकू की पत्तियों को पुनः सुखाना।
2. मशीन द्वारा चावल निकालना।
3. नमक विनिर्माण।
4. कपास दबाई और ओटाई सहित या रहित उन की दबाई।
5. तेल मिलें (परन्तु तेल निकालने की प्रक्रम किसी ऐसी अन्य विनिर्माण प्रक्रम के समनुषंगी हो जो कि मौसमी हो और जिसमें तेल निकालने में लगे कर्मचारियों की संख्या पचास से कम हो)।
6. बर्फ विनिर्माण।

[*Authoritative english text of this Government Notification No.* 23-11/88-*Shram, dated* 15*th March,* 1989 *as required under clause* (3) *of Article* 348 *of the Constitution of India*].

Shimla-2, *the* 15*th March,* 1989

No. 23-11/88-Shram.—In exercise of the powers conferred by section 87 of the Employees State Insurance Act, 1948 (Act No. XXXIV of 1948), the Governor, Himachal Pradesh, is pleased to exempt the following factories/Establishments engaged in the seasonal processes for a period of one year with immediate effect from the operation of the provisions of the aforesaid Act, in the areas where the said Act is in operation in Himachal Pradesh :—

1. Rice Milling.
2. Salt manufacturing.
3. Wool pressing either with or without cotton pressing and ginning.
4. Oil mills (provided that the process of oil milling is subsidiary to any other manufacturing process which is seasonal and so long as the No. of employees engaged in oil milling is less than fifty).
5. Fee manufacturing.
6. Redrying unmanufactured leaves of Tobbacco.

Shimla-2, *the* 18*th March,* 1989

No. 12-1 89-LEP.—The Governor, Himachal Pradesh is pleased to order cancellation of the Notification No. 12-1/89-LEP, dated the 30th January, 1989 as published in Himachal Pradesh Government extra ordinary Rajpatra, dated the 13th February, 1989 (Pages 257—258).

By order,
G. S. CHAMBIAL,
Secretary.

नियन्त्रक, मुद्रण तथा लेखन सामग्री, हिमाचल प्रदेश, शिमला-5 द्वारा मुद्रित तथा प्रकाशित